भारत सरकार

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1668

उत्तर देने की तारीख : 30.07.2025

आंध्र प्रदेश में 'उस्ताद' योजना का कार्यान्वयन

1668. श्री वाई. एस. अविनाश रेड्डी:

क्या **अल्पसंख्यक कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 'उस्ताद' योजना के अंतर्गत आंध्र प्रदेश में प्रत्येक संकुल में प्रलेखित और संवर्धित विशिष्ट पारंपरिक कलाओं और शिल्पों सहित चिन्हित शिल्प संकुलों का ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत पाँच वर्षों के दौरान 'उस्ताद' योजना के अंतर्गत आंध्र प्रदेश में प्रशिक्षित अल्पसंख्यक युवाओं की जिला-वार संख्या कितनी है;

(ग) 'उस्ताद' योजना के अंतर्गत आंध्र प्रदेश से विकास हेतु कितने परियोजना प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, कितने स्वीकृत हुए हैं और उनके कार्यान्वयन की क्या स्थिति है;

(घ) विगत पाँच वर्षों के दौरान 'उस्ताद' योजना के अंतर्गत आंध्र प्रदेश में परियोजनाओं के लिए आवंटित और उपयोग की गई निधि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) 'उस्ताद' योजना के अंतर्गत आंध्र प्रदेश में पारंपरिक कलाओं और शिल्पों के लिए बाजार संपर्क बढ़ाने हेतु की गई पहलों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री

(श्री किरेन रीजीजू)

(क) से (घ): उस्ताद योजना को लक्षित क्षमता निर्माण और कुशल कारीगरों/शिल्पकारों के पारंपरिक कौशल के उन्नयन के लिए 2015 में शुरू किया गया था। इस योजना के तहत, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने अभिज्ञात पारंपरिक कला और शिल्प समूहों के लिए डिजाइन और विकास कार्यशालाओं का आयोजन करने हेतु राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान और राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान जैसे प्रतिष्ठित ज्ञान भागीदारों को शामिल किया। आंध्र प्रदेश में, इस योजना के तहत जिन दो ऐसे समूहों को शामिल किया गया, वे हैं:

i. लकड़ी के बर्तन - उदयगिरि, आंध्र प्रदेश
ii. चमड़े की कठपुतली - निम्मलकुंटा, आंध्र प्रदेश

04 परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों (PIAs) के परियोजना प्रस्तावों को मंजूरी दी गई और उस्ताद योजना के तहत आंध्र प्रदेश से ज़री ज़रदोज़ी, क्ले स्कल्पचर और अन्य समूहों के 360 लाभार्थियों को आवंटित किया गया।

उस्ताद योजना को अब कौशल विकास; अल्पसंख्यक महिलाओं की उद्यमिता और नेतृत्व; और स्कूल ड्रापआउट्स के लिए शिक्षा सहायता पर केंद्रित अल्पसंख्यक समुदायों के लिए 'प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन' (PM VIKAS) नामक एक एकीकृत योजना के एक घटक के रूप में एकीकृत किया गया है।

(ङ) मंत्रालय ने उस्ताद योजना के तहत 41 हुनर हाट आयोजित किए थे, जिसके माध्यम से देश भर के कारीगरों/शिल्पकारों और पाक कला विशेषज्ञों को अपने हस्तशिल्प और स्वदेशी उत्पादों का प्रदर्शन और विपणन करने का अवसर दिया गया था। इन कार्यक्रमों से कारीगरों, शिल्पकारों और संबद्ध व्यक्तियों सहित 8 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हुए।

पीएम-विकास योजना के तहत, मंत्रालय अब 'लोक संवर्धन पर्व' का आयोजन कर रहा है, जो पूरे भारत के अल्पसंख्यक कारीगरों को एक मंच प्रदान करता है और उनके कार्यों और व्यवसायों को बढ़ाने में उनकी सहायता करता है। यह मंच कारीगरों को अपनी स्वदेशी कला, शिल्प और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। इस आयोजन को न केवल अल्पसंख्यक समुदायों की परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए बल्कि कारीगरों के लिए एक नवोन्मेषी और उद्यमशील वातावरण को बढ़ावा देने के लिए भी डिज़ाइन किया गया है। विपणन, निर्यात एवं ऑनलाइन व्यापार, डिज़ाइन, जीएसटी और बिक्री आदि क्षेत्रों में उनके कौशल को बढ़ाने के लिए, मंत्रालय द्वारा हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (EPCH) के सहयोग से कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं, जिससे कारीगरों को सशक्त बनाने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण सुनिश्चित होता है। अब तक, मंत्रालय ने निम्नलिखित 04 लोक संवर्धन पर्व आयोजित किए हैं:

- जुलाई, 2024 को दिल्ली हाट, आईएनए, नई दिल्ली में।
- जनवरी, 2025 को बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली में।
- अप्रैल, 2025 को दीक्षांत समारोह मैदान, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में।
- जून, 2025 को गांधी दर्शन, राजघाट, नई दिल्ली में।

*****